Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D–6208

PAPER–III
COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage and give answers to the questions No. 1 to 5 given below in 30 words :

The problems discussed by the early thinkers mainly concerned the origin of the world or universe, and to its constituents. Life is short, and a sacrificial performance could bring only temporary happiness, they agreed. It could not mean eternal joy ; on the contrary, it may sometimes be a source of much unhappiness. If that was so, it was necessary to discover the source of eternal peace, but could eternal peace be achieved through the life a sacrificer leads ? If not, should not an alternative be sought ? This was the next question. The balance was in favour of a new mode of life, the life of renunciation as opposed to the life of plenty led by a householder. Subsequently, the system of āśramas or the four stages of life was evolved, and the last two, those of vānaprastha and sannyāsa, gave opportunities for speculation on the problems of ultimate reality and absolute happiness.

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या **1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30** *शब्दों में लिखिए।*

प्रारम्भिक विचारकों ने जिन समस्याओं का विवेचन किया उनका मुख्य प्रयोजन विश्व के उद्‌भव और उसके विविध अंगों से सम्बन्धित है। मनुष्य का जीवन छोटा है और यज्ञ का अनुष्ठान केवल क्षणिक आनन्द देता है, ऐसा वे मानते थे। ऐसे अनुष्ठान का अर्थ शाश्वत आनन्द नहीं है। इसके विपरीत, यह कभी-कभी बहुत बड़े दु:ख का कारण भी बन जाता है। यदि ऐसा था, तो स्थायी शान्ति के स्रोत की तलाश आवश्यक थी। लेकिन क्या उस जीवन से स्थायी शान्ति प्राप्त हो सकती है, जिस जीवन का यापन यज्ञ करनेवाला करता है। यदि ऐसा नहीं है, तो क्या उसका विकल्प नहीं खोजा जाना चाहिए? यह अगला प्रश्न था। इसका संतुलन जीवन के नये प्रकार के पक्ष में था, ऐसा जीवन जो गृह-त्याग का जीवन हो, जो गृहस्थ जीवन की भौतिक समृद्धि के विपरीत हो। बाद में चलकर आश्रम या जीवन के चार पड़ावों (स्तरों) वाली व्यवस्था विकसित की गई। इनमें से बाद के दो अर्थात् वानप्रस्थ और सन्यास आश्रमों ने इस बात के अवसर दिये कि वे परम सत्ता और परम आनन्द की समस्याओं पर चिन्तन करें।

1. What were the issues with which early thinkers were concerned ?
प्रारम्भिक विचारकों के सामने क्या समस्याएं थीं?

2. What was the PURPOSE of sacrifices ?
यज्ञों के अनुष्ठान का क्या प्रयोजन था?

3. What is the source of eternal peace ?
शाश्वत शान्ति का स्रोत क्या है?

4. What are the four āśramas ?
चार आश्रम कौन-कौन से हैं?

5. What is the significance of the above passage to solve the mysteries of life ?
जीवन के रहस्यों के समाधान के लिए उपर्युक्त अनुच्छेद का क्या महत्व है?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Write a short note on the contributions of the founders of any two religions.

किन्हीं दो धर्मों के संस्थापकों के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. Does interfaith dialogue facilitate harmony among religions ? Comment.
क्या अन्तर्धर्म सम्वाद धर्म सामंजस्य को सुगम बनाता है? स्पष्ट कीजिए।

8. What is the importance of rituals in religion ? Write a note.
धर्म में कर्मकाण्ड का क्या महत्व है? इस पर एक टिप्पणी लिखिए।

9. Write a note on the teachings of Śrī Rāmakṛṣṇa Paramahansa.
रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाओं पर एक टिप्पणी लिखिए।

10. Write a brief note on the Hindu religious philosophy.
हिन्दू धर्म दर्शन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

11. What are the six substances (DRAVYA-S) according to Jainism ? Clarify.
जैनधर्म के अनुसार छह द्रव्य क्या हैं। स्पष्ट करें।

12. Write in berief about the concept of Tīrthaṁkara as explained in Jainism.
जैनधर्म में वर्णित तीर्थंकर के स्वरूप के विषय में संक्षेप में लिखिए।

13. *'Buddhism expanded outside India through trade-routes'*- discuss the above statement.

'भारत से बाहर बौद्ध धर्म का प्रसार व्यापार-मार्ग से हुआ, इस कथन का विवेचन कीजिये।

14. Discuss the first two Buddhist Saṅgīti-s (Buddist Councils) according to Theravāda Buddhism.

थेरवाद बौद्ध धर्म के अनुसार प्रथम दो बौद्ध संगीतियों का विवेचन कीजिये।

15. State the importance of the prayer of *"our father"*.

'हे हमारे पिता' प्रार्थना के महत्व के बारे में लिखिए।

16. Describe the meaning of the parable of the Good Shepherd.

भला गडेरिये के दृष्टान्त के अर्थ का वर्णन कीजिए।

17. What do yo know about Namaz ?
आप नमाज के बारे में क्या जानते हैं?

18. Describe the significance of Hadith in Islam.
इस्लाम में हदीस के महत्व का वर्णन कीजिए।

19. Comment upon the Sikh institutions founded by Guru Nanak.
गुरु नानक द्वारा स्थापित सिक्ख संस्थाओं पर टिप्पणी लिखिए।

20. What were the aims of Singh Sabha movement ? Explain.
सिंह सभा लहर (आन्दोलन) के उद्देश्य क्या थे? स्पष्ट कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

HINDUISM

हिन्दूधर्म

21. What are the basic characteristics of vedic gods ? State briefly.
वैदिक देवों की मूलभूत विशेषताएं क्या हैं? संक्षेपत: विवेचन कीजिए।

22. Write briefly on the basic contents of main Upaniṣads.
प्रमुख उपनिषदों की मूलभूत विषयवस्तु का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

23. Explain the characteristics of the Yoga System.
योग दर्शन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

24. Highlight the ethics of Rāmāyaṇa.
रामायण महाकाव्य में चित्रित नैतिक शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

25. What are the contributions of the Ārya Samaj towards reformation of Indian Society ? State.
भारतीय समाज सुधार के प्रति आर्य समाज का क्या योगदान है? बताइये।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

JAINISM
जैन धर्म

21. Write a brief account of prominent four Jaina Tirthaṅkaras.
जैनधर्म के प्रमुख चार तीर्थंकरों का संक्षिप्त विवरण लिखें।

22. Write short notes on the following Jaina works :
(a) Saṭkhanḍagāma
(b) Uttarādhyayanasūtra
निम्नांकित जैन ग्रन्थों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :
(अ) षट्खण्डागम
(ब) उत्तराध्ययनसूत्र

23. Write names of Twelve vows of Householders according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार गृहस्थ के बारह व्रतों के नाम लिखिए।

24. Explain in brief the seven fundamentals (padārthas) of Jainism.
जैन धर्म के सात पदार्थों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

25. Discuss the theory of Anekāntavāda (Non-absolution) of Jainism.
जैन धर्म के अनेकान्तवाद सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

BUDDHISM
बौद्ध धर्म

21. Discuss the royal patronage that Buddhism availed during the Budda's time.
बुद्ध के जीवन काल में बौद्ध धर्म को जो राजकीय प्रोत्साहन मिला, उसका विवेचन कीजिये।

22. Discuss the compilation and preservation of the Buddha's words.
बुद्ध के वचनों के संकलन और संरक्षण का विवेचन कीजिये।

23. Discuss the causes that led to the first split in the Buddhist order.
बौद्ध संघ में प्रथम विभेद के कारणों का विवेचन कीजिये।

24. Discuss the spread of Buddhism during king Asoka's period.
राजा अशोक के काल में बौद्ध धर्म के विस्तार का विवेचन कीजिये।

25. Discuss the causes and conditions that led to the evolution of the Mahāyāna Buddhism.
महायान बौद्ध धर्म के विकास के कारणों और परिस्थितियों का विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

CHRISTIANITY
ईसाई धर्म

21. Discuss the Relationship between the Old Testament and the New Testament.
पुराने-नियम और नए-नियम के आपसी सम्बन्धों की विवेचना कीजिए।

22. Throw light on the early life of Jesus Christ.
ईसा मसीह के प्रारंभिक जीवन पर प्रकाश डालिए।

23. Write a brief account of the Protestant Christianity.
प्रोटेस्टेंट ईसाइयत के बारे में संक्षिप्त विवरण कीजिए।

24. What is the New Commandment of Jesus Christ and its significance for Christianity ? Explain.
ईसा मसीह का नया आदेश क्या है और उसका ईसाइयत में क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

25. What is the meaning and significance of Christian worship ? Explain.
ईसाई धर्म की आराधना-विधि के अर्थ और महत्व क्या हैं? स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

Elective - V
विकल्प – V

ISLAM
इस्लाम धर्म

21. Write about the Madanese life of Prophet Mohammad.
पैगम्बर मुहम्मद की मदनी जीवनी का उल्लेख कीजिए।

22. Give a brief account of the contribution of medieval Islam to rational sciences.
बौद्धिक विज्ञान के क्षेत्र में मध्यकालीन इस्लाम के योगदान का उल्लेख कीजिए।

23. Write a note on the historical importance of the Hudaibiyah Pact.
हुदैबिया सन्धि के ऐतिहासिक महत्त्व पर एक नोट लीखिए।

24. Describe the main achievements of the second caliph, Umar Bin Khattab.
दूसरे खलीफा उमर बिन खत्ताब के कारनामों का वर्णन कीजिए।

25. "Sufis played a significant role in the spread of Islam in India". Discuss.
''भारत में इस्लाम के विस्तार में सूफी सन्तों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है''। इस की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - VI
विकल्प – VI

SIKHISM
सिख धर्म

21. Discuss Guru Nanak's response towards the religious milieu of his times.
गुरु नानक की अपने समय की धार्मिक परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया का विवेचन कीजिये।

22. Explain the editing process of Adi Granth by Guru Arjan.
गुरु अरजन की, आदि ग्रंथ को संपादन करने की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिये।

23. Analyse the doctrine of Miri-Piri in Sikhism.
सिख धर्म में मीरी–पीरी के सिद्धांत की समीक्षा कीजिये।

24. Describe the origin of Namdhari Movement.
नामधारी लहर के उद्‌भव पर प्रकाश डालिये।

25. Examine the ultimate aim of human life in Sikhism.
सिख धर्म में मानव जीवन के परम उद्देश्य की समीक्षा कीजिये।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Write an essay on major Hindu Sects.

प्रमुख हिन्दू सम्प्रदायों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Describe the theory of *'TRIRATNA'* in Jainism.

जैनधर्म में 'त्रिरत्न' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the 'code of conduct' of the Buddhist Monks and Nuns.

बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के 'आचार-नियम' की विवेचना कीजिये।

OR / अथवा

Write an essay on the Ten Commandments.

दस नियमों के बारे में एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Write an essay on the status of women in Islam.

इस्लाम में औरतों की स्थिति पर एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Describe the origin of Gurdwara reform movement and its impact on Sikh Community.

गुरुद्वारा सुधार आन्दोलन के उद्‌भव और सिक्ख समुदाय पर इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....